Annual padagogical plan (2023)

विषय:- हिंदी

विद्यालय:- बुड्ढा दल पब्लिक स्कूल पटियाला।

कक्षा:- सातवीं।

Submitted by :- डॉक्टर योगिता रानी

Annual padagogical plan (2023)

Topic :-	Learning outcomes	Art integration
कविता - सत्कर्तव्य :- कवि - रामनरेश त्रिपाठी 	कविता के माध्यम से छात्र पशु - पक्षी, पेड़ - पौधे ,नदियां आदि को काम में लगे देख कर छात्र स्वकर्म करेंगे तथा अपने लक्ष्य को पाने के लिए सत्कर्तव्य से जुड़ जाते हैं। इस तरह अपने सत्कर्तव्य को पहचान कर उसी के अनुरूप आचरण करेंगे। छात्रों को विद्यार्थी जीवन का कर्तव्य पूरा करने की प्रेरणा मिलेगी जिससे वह अपने मनचाहे लक्ष्य को प्राप्त करने की कोशिश मे लग जाते हैं।	.1 छात्र पेड़ पौधों और प्रकृति के द्वारा जीवित रहने के कारणों को जानकर भौतिक विज्ञान से जुड़ेंगे। .2 कविता गायन के आरोह अवरोह द्वारा संगीत से जुड़ेंगे। .3अपने कर्तव्य की जानकारी पाकर उनके नैतिक मूल्य मैं बढ़ोतरी होगी।

Topic :-

प्रकरण:- नमक का दरोगा
लेखक:- मुंशी प्रेमचंद जी

learning outcomes :-

छात्र नमक का दरोगा कहानी के द्वारा रिश्वत चोरी जैसे बुरे कामों का अंजाम देख कर बुराइयों से दूर रहने की कोशिश करेंगे तथा सत्य और इमानदारी से चलेंगे
वंशीधर की तरह अपने माता पिता की आज्ञा पालन करने का सबक सीख कर अपने जीवन का निर्वाह करेंगे
छात्र अपनी सच्चाई पर दृढ़ निश्चयी रहेंगे
इस कहानी द्वारा समाज में फैली भ्रष्टाचार रिश्वतखोरी तथा न्याय व्यवस्था की खामियों को देखकर उनसे दूर रहने तथा उनमें सुधार करने का प्रयास करेंगे

Art integration :-

कहानी नमक का दरोगा द्वारा छात्र नमक को गांधी जी द्वारा कर मुक्त करवाने और दांडी मार्च करने की यात्रा द्वारा इतिहास से जुड़ने का प्रयास करेंगे।
पाठ में आए मुहावरे और लोकोक्तियां के द्वारा छात्रों को हिंदी व्याकरण का ज्ञान होगा ।जैसे:- पूर्णमासी का चांद होना कभी- कभी दिखाई देना।
भ्रष्टाचार के विषय में लघु कथा या तथा अनुच्छेद भी लिख सकेंगे।

Topic:-

प्रकरण:- समय नियोजन

लेखक:- समर बहादुर सिंह

Learning outcomes:-

इस पाठ द्वारा छात्र समय के महत्व को समझ कर अपने समय को व्यर्थ नहीं गवाएं गे तथा उसका सही उपयोग करेंगे। छात्र अपना हर काम निश्चित समय में करते हैं।

इस पाठ में गांधीजी और नेहरू जी द्वारा समय नियोजन को सीख कर अपने जीवन में स्वच्छता की ओर सजग रहेंगे तथा कसरत द्वारा अपने शरीर को स्वस्थ रखेंगे।

छात्र समय नियोजन करके और उसका दृढ़ता पूर्वक पालन करके भविष्य में आने वाली गलतियों से बचने का प्रयास करेंगे।

इस पाठ से सीखकर छात्र 24 घंटे की समय तालिका बनाते हैं तथा उसमें व्यायाम खेलकूद मनोरंजन पढ़ाई तथा घर के लोगों के लिए समय निकालने का नियोजन करके उस पर चलने का प्रयास करते हैं।

Art integration :-

इस पाठ में समय के नियोजन द्वारा छात्र समय के महत्व पर बातचीत करके संवाद लिखते हैं तथा हिंदी भाषा से जुड़ते हैं।

गांधी जी द्वारा कसरत व्यायाम और हर काम को समय पर करके वह खेल विज्ञान से जुड़ते हैं।

समय के उचित विभाजन द्वारा छात्र गणित विज्ञान से भी जुड़ेंगे।

समय का उचित उपयोग करने वाले महान लोगों के बारे में जानकर छात्र इतिहास से भी जुड़ेंगे।

Topic:-

प्रकरण:- दीपदान
संकलित

Learning outcomes:-

पाठ दीपदान द्वारा छात्र ऐतिहासिक महिलाओं तथा वीरांगनाओं द्वारा किए गए त्याग और बलिदान की भावनाओं से अपने परिवार और देश के लिए त्याग और बलिदान की भावना जागृत करते हैं।
पन्ना द्वारा अपने देश और राजा के लिए ईमानदारी तथा त्याग को पढ़कर छात्र अपने देश के लिए ईमानदार रहते हैं तथा उसे आगे बढ़ाने का प्रयास करते हैं।
इस पाठ द्वारा छात्र ऐतिहासिक राजाओं तथा वीरांगना की विषम परिस्थितियों से अपने जीवन मैं आने वाली कैसी भी परिस्थितियों का सामना करने के लिए तैयार रहते हैं।

Art integration:-

दीपदान ऐतिहासिक घटना द्वारा छात्र पुराने समय में त्याग करने वाले वीर वीरांगनाओं के बारे में जानकारी प्राप्त करेंगे तथा हमारे इतिहास सामाजिक विज्ञान से जुड़ेंगे।
पाठ में आए मुहावरे तथा लोकोक्तियां द्वारा उन्हें हिंदी व्याकरण का ज्ञान होगा।
पाठ को नाटक के रूप में प्रस्तुत किया गया है जिससे वह रंगमंच तथा कला विज्ञान से जुड़ेंगे।
उचित पालन- पोषण अपना कार्य खुद करना तथा दूसरों को कष्ट ना पहुंचाना आदि कथाओं को पढ़कर छात्र नैतिक शिक्षा से जुड़ेंगे।

Topic:-	Learning outcomes:-	Art integration:-
प्रकरण:- ऊंचाई लखक:-अटल बिहारी वाजपेई 	इस पाठ द्वारा छात्र ऊंची महत्वकांक्षाओं वाले लोगों द्वारा जिंदगी की असल ऊंचाई के बारे में सीखते हैं तथा ऊंचाई में पहुंचकर जिम्मेदारी से अपना विस्तार करने तथा सबको साथ लेकर चलने का प्रयास करते हैं। ऊंचाई पाठ द्वारा छात्र पहाड़ खजूर और तारा दी कि उदाहरणों द्वारा यह भी सीखते हैं कि उस ऊंचाई की कोई अहमियत नहीं जिससे दूसरों को मदद ना मिले और छात्र अपने जीवन में दूसरों को लाभ पहुंचाना तथा उनकी मदद करने का प्रयास करते हैं	ऊंचाई कविता में पहाड़ी जीवन, ऊंची- ऊंची चोटिया, मैदान, पर्वत, ध्रुवीय भालू, आदि के द्वारा छात्र को भूगोल विज्ञान से जुड़ते हैं। ऊंचाई कविता के द्वारा छात्र असलियत में छोटे बड़े की पहचान करके दूसरों के काम आएंगे जिसके साथ वे नैतिक मूल्यों के साथ जुड़ेंगे। ऊंचाई कविता में कवि अटल बिहारी वाजपेई जैसी महान शख्सियत के बारे में जानकारी पाकर इतिहास से जुड़ेंगे। ऊंचाई कविता द्वारा पहाड़ों की विषम और कठिन परिस्थितियों में लोगों के जीवन निर्वाह के बारे में जानकर और मौसम के हर पल बदलते रहने के बारे में फर्क जानते हुए

Topic:-

प्रकरण:- ताई
लेखक:- विश्वंर नाथ शर्मा

Learning outcomes:-

इस पाठ द्वारा छात्र मानव की संवेदनशीलता मन के बारे में और उनकी भावनाओं में जो तरंगे उठती है, कभी घृणा, कभी प्यार, कभी अपनापन तो कभी ईर्ष्या। जिससे हम अपना बहुत सारा नुकसान कर बैठते हैं छात्र इस पाठ के द्वारा संयम से चलने का प्रयास करेंगे।
इस पाठ द्वारा बच्चों को घृणा ईर्ष्या लालच जैसी नकारात्मक भावनाओं को स्थान नहीं देना चाहिए घर में बच्चों के होने से घर का वातावरण किस तरह बदल जाता है इससे वे कोई भी संकट में हो तो उसकी सहायता करने का प्रयास करते हैं।
इस्पात द्वारा बच्चों के अंदर अपनेपन की भावना प्रबल होगी जिससे वे अपनी वस्तुएं अपने भाई-बहन सगे संबंधियों अपने पालतू पक्षियों एवं अपने घर से प्रेम करते

Art integration:-

इस पाठ के द्वारा छात्र घर की टूटी फूटी रद्दी चीजें संभाल कर रखेंगे खाली डिब्बी लोहे की तारे में प्लास्टिक की बाल्टी आते थर्माकोल इलेक्ट्रिक सामान आदि सभी वस्तुएं संभाल लेंगे जो के कूड़े के ढेर का कारण बनती है और उनका प्रयोग सजावट की वस्तु इत्यादि बनाने में किया जा सकता है छुट्टियों में खाली समय में इन वस्तुओं को उपयोगी बनाए बनाएंगे जिससे उनकी रचनात्मकता बढ़ेगी और पर्यावरण को भी नुकसान नहीं होगा।
छात्रों को अपने बड़ों की को इज्जत मान देना तथा उन्हें प्यार करना और उनकी भावनाओं को कद्र देना आएगा जिससे वे अपने बड़ों का आदर सम्मान करना शुरू कर देते हैं। इससे उनके अंदर नैतिक मूल्यों की बढ़ोतरी होगी।

Topic:-

प्रकरण:- महात्मा गांधी जी के पत्र
लेखक:-महात्मा गांधी जी

Learning outcomes:-

इस पाठ द्वारा छात्र महान लोगों के विचारों से प्रेरणा लेकर अपने जीवन को सत्य और अहिंसा के पथ पर लेकर जाते हैं। सच्चाई को समझ कर वह अपने विचार रखते हैं। जो कि समाज के हर व्यक्ति को अपने ही विचार लगते हैं।
महात्मा गांधी के जीवन के संघर्ष के बारे में समझ कर, विषम परिस्थितियों का सामना करते हैं। महात्मा गांधी के जीवन से सीख लेकर स्वस्थ एवं स्वच्छ जीवन जीते हैं।
छात्रों के अंदर राष्ट्र नायक दार्शनिक एवं वैचारिक और सत्य अहिंसा की भावना पैदा होती है जिससे वह देश के सच्चे आदर्शवादी व प्रभावशाली नागरिक बनते है।

Art integration:-

इस पाठ द्वारा छात्र पर्यायवाची, समानार्थी शब्द लिखना सीखेंगे रचना के आधार पर वाक्य-भेद तथा अभ्यास कार्य करके शुद्ध हिंदी भाषा से जुड़ेंगे।
इंटरनेट की सहायता से जेल में लिखी विश्व प्रसिद्ध पुस्तकों के सूची प्यार करते हुए कंप्यूटर विज्ञान से जुड़ेंगे।
गांधीजी के पत्रों में एक युग की याद को सुनकर सुविचार प्रस्तुत करते हुए इतिहास से जुड़ेंगे।
छात्र के चिंतन मनन तथा उसके निर्गुण दोषों पर ध्यान रखते हुए छात्र शीघ्र ही गुणी व्यवहारिक और ज्ञान संपन्न बन जाएंगे।
नेक उद्देश्य के लिए किया गया हर काम, हर प्रयास महत्त्व रखता है, गांधी जी के जीवन में कसरत,स्वच्छता और अनुशासन के द्वारा छात्र शरीरक शिक्षा से जुड़ेंगे।

Topic:-

प्रकरण:- नीति के दोहे
कवि:- कबीर रहीम वृंद

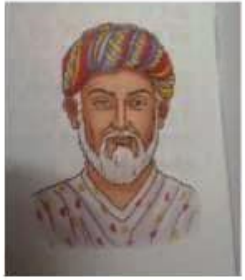

Learning outcomes:-

छात्र इस पाठ के द्वारा विपत्ति के समय सहायता पहुंचाने वाली व्यक्ति के आचरण को पढ़कर स्वयं दूसरों की सहायता करते हैं।
निंदा या प्रशंसा का सही मतलब जानकर अपनी जिंदगी में उस पर अमल करते हैं।
कबीर के दोहे सुनकर वाणी की महत्वता समझकर अपनी वाणी में मिठास लाते हैं।
हमारे समाज की व्यापक बुराइयों को जानकर उन्हें दूर करने का प्रयास करते हैं।
इन दोनों द्वारा जीवन में काम आने वाली अनमोल सीख को आत्मसात करके अपने जीवन को सुख में बनाते हैं।

Art integration:-

नीति के दोहे पाठ में रहीम कबीर आदि कवि समाज सुधारक थे, उन्होंने समाज में फैली बुराइयों को पहचाना और दोहों के रूप में उन्हें दूर करने का ज्ञान दिया। इस पाठ के द्वारा छात्र समाजिक विज्ञान से जुड़ेंगे।
नीति के दोहे को वाचन करते हुए गति लय,आरोह-अवरोह का ज्ञान प्राप्त करते हुए वह संगीत शिक्षा से जुड़ेंगे।
नैतिक मूल्यों की जानकारी पाकर छात्र इस पाठ के द्वारा नैतिक मूल्यों का ज्ञान प्राप्त करेंगे और नैतिक शिक्षा से जुड़ेंगे।

Topic:-

प्रकरण:-कामचोर
लेखक:- इस्मत चुगताई

Learning outcomes:-

इस पाठ द्वारा छात्रों को पत्र लेखन वर्ड डायरी लेखन के लिए प्रोत्साहन मिलेगा, जिससे वे अपने दैनिक जीवन के कार्यकलापों को लिखते हैं।
छात्र खेलों तथा माता-पिता की मदद करने वाले कार्यों की सूची बनाते हैं तथा कार्य करते हैं।
पाठ को सुनकर छात्र अंत में निर्णय पर अपने विचार प्रस्तुत करते हैं।
कोई भी नया कार्य करते हुए अपने अभिभावकों की निगरानी में करते हैं तथा उनका परामर्श लेते हैं।
संयुक्त परिवार तथा परिवारिक सदस्यों को महत्व देना शुरू कर देते हैं।

Art integration:-

कामचोर पाठ के द्वारा छात्र संयुक्त परिवार जिसमें दादा- दादी, चाचा-चाची तथा बच्चे एक साथ रहते हैं। वह सुख दुख को बांटते हैं। हंसी मजाक करते हैं। महानगरी करण के कारण संयुक्त परिवारों का युग समाप्त हो गया उनके बारे में जानकारी जताते हुए वे सामाजिक विज्ञान से जुड़ेंगे।
बच्चे अपनी भाषा द्वारा हिंदी भाषा से जुड़े जिसमें वे वाद-विवाद ,संवाद तथा डायरी लिखना सीखते हैं।
संयुक्त परिवार में रहकर उम्र बढ़ने के साथ-साथ बच्चे अपने छोटी-छोटी जिम्मेदारियों के प्रति सचेत रहते हैं जिसमें नैतिक शिक्षा का बढ़ावा मिलता है।

Topic:-	Learning outcomes:-	Art integration :-
प्रकरण:-स्वच्छ भारत अभियान विभागीय 	छात्र स्वच्छ भारत अभियान विषय को पढ़कर स्वच्छता सप्ताह पर आधारित पत्र- लेखन व विज्ञापन तैयार करते हैं तथा उसकी कक्षा में चर्चा करते हैं। स्वच्छ भारत अभियान से संबंधित चित्रों के कोलाज बनाते हैं तथा उनकी ड्राइंग करते हैं। पाठ के द्वारा कूड़े कचरे को व्यवस्थित ढंग से खाद के रूप में प्रयोग के काम में लेकर आते हैं और सहपाठियों से इसकी चर्चा करते हैं। इस पाठ द्वारा साफ सफाई के प्रति समर्पण भाव रखने की प्रेरणा मिलती है। इधर उधर गंदगी ना फैलाकर देश को स्वच्छ बनाने के लिए जागरूक होते हैं तथा बढ़ चढ़कर हिस्सा लेते हैं।	स्वच्छ भारत अभियान विषय को पढ़कर स्वच्छता सप्ताह पर आधारित पत्र व विज्ञापन लेखन तैयार करके हिंदीभाषा के साथ जुड़ेंगे। स्वच्छ भारत अभियान के चित्रों की ड्रॉइंग करके तथा कोलाज बनाकर चित्रकारी कला विज्ञान से जुड़ेंगे से जुड़ेंगे। मार्च में फैली गंदगी को दूर करके तथा समाज के लोगों को जागरुक करती सामाजिक विज्ञान से जुड़ाव होगा। सोचता अभियान में सबसे पहले खुद को स्वच्छ रखना संतुलित भोजन करना शुद्ध पानी पीना और कसरत करना आदि के बारे में जानते हुए छात्र शरीरक शिक्षा विज्ञान से जुड़ेंगे।

Topic:-	Learning outcomes:-	Art integration:-
कविता:- प्रणति कवि:- रामधारी सिंह दिनकर 	छात्र इस पाठ के माध्यम से स्वतंत्रता संग्राम से जुड़ी क्रांतिकारी तथा हिंसक गतिविधियों के विषय में समझकर लघु कथा तथा अनुच्छेद लिखेंगे। रानी लक्ष्मीबाई के स्थान पर अगर आप होते तो क्या करते विषय पर तर्क सहित लेखन करेंगे। इस कविता द्वारा टेबल बीता ही नहीं अपितु दया, ममता, इमानदारी और भाईचारे आदि के भावों को विकसित करके छात्र अपने जीवन में उनका उपयोग करते हैं। छात्र स्वतंत्रता सेनानियों की धरोहर को सुरक्षित रखते हैं तथा अपने देश के विकास को शिखर पर ले जाने के लिए अपना पूरा योगदान देते हैं।	इस कविता के माध्यम से छात्र कोलाज बनाकर तथा सेनानियों के चित्र बनाकर कला विज्ञान से जुड़ेंगे। कविता के शुद्ध गायन, वाचन, आरोह-अवरोह के द्वारा वे संगीत विज्ञान से जुड़ेंगे। स्वतंत्रता संग्राम से जुड़ी क्रांतिकारी अहिंसक घटनाओं के बारे में जानकर छात्र इतिहास से जुड़ेंगे। अपने देश को शिखर तक ले जाने के प्रयास में और अपने कर्तव्य पालन करते हुए वे सामाजिक विज्ञान से जुड़ेंगे।

Topic:-	Learning outcomes:-	Art integration :-
प्रकरण:- सुभान खां लेखक:- रामवृक्ष बेनीपुरी 	इस पाठ के माध्यम से छात्र अतीत से जुड़ते हैं और अतीत की किसी घटना के बारे में संस्मरण लिखते हैं। छात्र हिंदू मुस्लिम एकता बनाए रखने के प्रयासों पर कक्षा में चर्चा करते हैं। बांटने से खुशियां बढ़ जाती हैं इस पाठ के माध्यम से छात्र त्योहारों में सभी धर्मों के लोगों के साथ खुशियां बांटते हैं और प्रेम प्यार बढ़ाते हैं। हमारी संस्कृति हमें सबके साथ मिलजुल कर रहने की प्रेरणा देती है तथा छात्र पाठ के माध्यम से बड़ों का सम्मान करते हैं तथा दूसरों की आस्था व विश्वास को ठेस नहीं पहुंचाते।	यह कहानी संस्मरणात्मक शैली में लिखी गई है। संस्मरण का अर्थ होता है, अतीत से जुड़ना। छात्र संस्मरण लिखेंगे, जिससे वे भाषा विज्ञान से जुड़ेंगे। सभी त्योहारों को एक साथ मना कर छात्र सामाजिक विज्ञान से जुड़ेंगे तथा नैतिक मूल्यों में भी बढ़ोतरी होगी। अपनी संस्कृति का सम्मान करते हुए दूसरों की संस्कृतियों के बारे में रीति- रिवाजों के बारे में, उनकी आस्था के बारे में जानकर बच्चे इतिहास से जुड़ेंगे।

Topic:-

प्रकरण:-जल ही जीवन है
लेखक:- सूर्य प्रसाद दुबे

Learning outcomes:-

इस पाठ के द्वारा छात्र जल के विभिन्न साधनों द्वारा जल की उपयोगिता को समझ कर उसको उपयोग में लाते हैं।

छात्र नैनो प्रौद्योगिकी के बारे में जानकारी जुटाकर मित्रों से चर्चा करते हैं।

जीवन के लिए जंगल जरूरी है यह समझकर जल के समुचित उपयोग पर अपनी राय प्रकट करते हुए जंगलों को तथा पेड़ पौधों को बढ़ावा देते हैं।

बिजली के लिए पानी की उपयोगिता के बारे में समझ कर , इसकी किफायत के बारे इनका उपयोग करने के लिए प्रेरित होते हैं।

Art integration :-

इस पाठ के माध्यम से छात्र पानी के विभिन्न साधनों द्वारा भूगोल विज्ञान से जुड़ेंगे।
नदियों के इतिहास के बारे में जानकर इतिहास विज्ञान से भी जुड़ेंगे।
पानी की उपयोगिता समझ कर उनके जीवन मूल्यों और नैतिक मूल्यों में बढ़ोतरी होगी।
जल को प्रदूषित करने तथा उसका बचाव करने के बारे में जानकारी पाकर,उस पर अनुच्छेद लिखेंगे और हिंदी भाषा से जुड़ेंगे।

Topic:-

प्रकरण:- बाल लीला
कवि:- मीरा तुलसीदास सूरदास

Learning outcomes:-

बाल लीला पाठ के वाचन तथा व्याख्या के ज्ञान द्वारा छात्र बहुविकल्पीय प्रश्न करते हैं।
प्रस्तुत दोहों में प्रयोग की गई तुलसीदास व मीराबाई की भाषा शैली का प्रयोग अन्य भाषा विषयों में प्रयोग करते हैं।
भक्ति काल की रचनाएं पढ़कर उन्हें चार्ट पेपर पर सुंदर अक्षरों में लिखते हैं कथा उनका प्रयोग अपने निजी जीवन में भी करते हैं।
बाल्यावस्था एवं किशोरावस्था में सीखी गई अच्छी बातें जो आजीवन सुख देती है, उनके बारे में कक्षा में चर्चा करते हैं।
भक्ति एक भावना है , छात्र गुरुजनों के प्रति श्रद्धा रखते हैं तथा उनके बताए मार्ग पर चलते हैं।

Art integration:-

पाठ में आए हुए दोहों के के वचन और गायन द्वारा छात्र संगीत कला से जुड़ेंगे।
तुलसी सूर तथा मीरा की भाषा शैली के द्वारा भाषा विज्ञान से जुड़ेंगे।
भक्ति काल की रचनाओं को पढ़कर तथा अपने जीवन में प्रयोग करके छात्र धर्म कला कथा अध्यात्म कला से जुड़ेंगे।
दोनों में आई हुई अच्छी बातें जो जीवन को सीख देती हैं द्वारा नैतिक शिक्षा से जुड़ेंगे।

Topic:-	Learning outcomes:-	Art integration:-
प्रकरण:- सच्चा तीर्थयात्री लेखक:- लियो तॉलस्तॉय 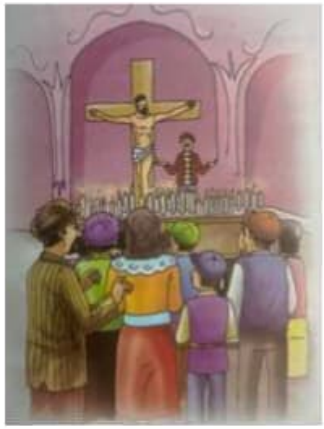	इस पाठ द्वारा छात्र जरूरतमंद व्यक्तियों की सहायता करके अपने अनुभव को लिखते हैं तथा सेवा सहायता करने के लिए बढ़ चढ़कर हिस्सा लेते हैं। *इस पाठ के माध्यम से छात्र समीपवर्ती तीर्थ स्थानों की यात्रा करते हैं तथा उनके अनुभव को लिखते हैं। *मानव सेवा ही सच्ची ईश्वर सेवा है यथा सबकी सहायता करना ही परम धर्म है इससे छात्र अच्छी शिक्षा प्राप्त करते हैं तथा दुखी और जरूरतमंद व्यक्तियों की सहायता करने में आगे बढ़ चढ़कर हिस्सा लेते हैं।	*इस पाठ द्वारा छात्र जरूरतमंद व्यक्तियों की सहायता करके अपने अनुभव को लिखते हैं तथा सेवा सहायता करने के लिए बढ़ चढ़कर हिस्सा लेते हैं। *इस पाठ के माध्यम से छात्र समीपवर्ती तीर्थ स्थानों की यात्रा करते हैं तथा उनके अनुभव को लिखते हैं। *मानव सेवा ही सच्ची ईश्वर सेवा है यथा सबकी सहायता करना ही परम धर्म है इससे छात्र अच्छी शिक्षा प्राप्त करते हैं तथा दुखी और जरूरतमंद व्यक्तियों की सहायता करने में आगे बढ़ चढ़कर हिस्सा लेते हैं।